समीक्षा

2022– 2023

महिला उमंग प्रोड्यूसर्स कम्पनी लिमिटेड

ग्राम नैनी, पोस्ट आफिस कालिका, रानीखेत, ज़िला–अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड

फ़ोन नं0 – 9410796757/ 8859781146

E:info@umang-himalaya.comwww.umang-himalaya.com

परिचय

महिला उमंग उत्पादक कम्पनी लिमिटेड महिलाओं का एक सामाजिक एवं व्यावसायिक संगठन है, जिसका पंजीकरण कंपनी अधिनियम 1956 के तहत दिनांक 09 जनवरी 2009 को किया गया।

उमंग का प्रमुख कार्यालय, 'हाउस ऑफ उमंग' ग्राम नैनी में, ज़िला अल्मोड़ा, रानीखेत के पास स्थित है। उमंग एक कंपनी ही नहीं बल्कि एक सपना है, एक विचार और जीने का एक अन्दाज़ है। **उमंग का लक्ष्य पर्वतीय महिला उत्पादकों को आजीविका के अवसर प्रदान कर उनके जीवन में गुणात्मक सुधार लाना है।**

इस संगठन की यात्रा पैन हिमालयन ग्रासरुट्स डिवेलपमेंट फाउण्डेशन के मार्गदर्शन में स्वयं सहायता समूहों का गठन कर विभिन्न सामुदायिक तथा प्राकृतिक संरक्षण/संवर्धन एवं आजीविका विकास कार्यक्रमों द्वारा पर्वतीय महिलाओं का सशक्तीकरण कर इस क्षेत्र में अनुकूल आर्थिक एवं सामुदायिक पृष्ठभूमि तैयार करना है।

उत्पादक कम्पनी का मुख्य उद्देश्य आजीविका कार्यक्रमों को सामाजिक एवं आर्थिक रुप से कमजोर उत्पादक सदस्यों के हित को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ाना है। सभी उत्पादक सदस्यों का कम्पनी पर समान हक सुनिश्चित किया गया है। कंपनी की सभी व्यावसायिक गतिविधियां सीधे उत्पादक सदस्यों द्वारा नियंत्रित की जाती हैं तथा उत्पादक सदस्य ही कम्पनी की सम्पूर्ण चल–अचल सम्पत्ति के मालिक हैं। उत्पादक कम्पनी का ढांचा उत्पादन के साथ–साथ मुनाफे का अधिक से अधिक प्रतिशत सीधे उत्पादक सदस्य के पास पहुंचाने में सहायक हुआ है।

अपने निर्धारित लक्ष्य के आधार पर उमंग अपने उत्पादक सदस्यों को पंद्रह हज़ार रूपया प्रति वर्ष की आय सुनिश्चित करा पाने के लिए कार्यरत है। अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए उमंग उत्पादक संगठन पारदर्शिता, गुणवत्ता, स्वावलम्बन, मांग के अनुसार परिवर्तन एवं उचित व्यापार के मूल सिद्धान्तों पर सदा कार्यरत रहेगी।

झलकियां

अपने लक्ष्य एवं मूल सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए उमंग उत्पादक संगठन ने वर्ष 2022–23 के लिए **फ़ेयर ट्रेड**/उचित व्यापार प्रमाणीकरण प्राप्त किया। जो सुनिश्चित करता है कि व्यावसायिक संस्था लैंगिक समानता, उचित मूल्य भुगतान, पर्यावरणीय सुरक्षा, बेहतर कार्य स्थिति एवं बाल मज़दूरी विरोधी मूल्यों के साथ–साथ आर्थिक रुप से पिछड़े कामगारों को कार्य के अवसर प्रदान करती है। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय, गैर सरकारी संस्था फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) ने उमंग महिला उत्पादक संगठन को उचित व्यापारिक मूल्यों पर खरा पाया और फेयर ट्रेड प्रमाण पत्र जारी किया।

वर्ष 2022–23 में उमंग द्वारा प्राकृतिक संवर्धन के संदर्भ में प्लास्टिक के उपयोग को त्यागने हेतु एस0 एच0 जी0 सदस्यों द्वारा उमंग के ग्राहकों के उपयोग के लिए कपड़े के थैले बनवाये जिससे इन महिलाओं ने **₹ 44,670** (चौवालीस हज़ार छः सौ सत्तर) आय अर्जित की।

समीक्षा वर्ष में उमंग द्वारा बुनाई उत्पादों की गुणवत्ता में सुधार लानें हेतु अपने बुनकरों के साथ कार्यशाला कर अतिरिक्त प्रयास भी किये गये जिसके अंतर्गत विभिन्न समूहों व लीडरों के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

वर्ष 2022–23 में उमंग द्वारा अपने अंशधारकों व समूह के सदस्यों से संबंध को सदृढ़ करने व उमंग के ढांचे में सुधार हेतु अतिरिक्त प्रयास भी किये गये जिसके अंतर्गत विभिन्न समूहों व लीडरों के साथ बैठक का आयोजन किया गया।

समीक्षा वर्ष में **फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम इण्डिया** द्वारा दिल्ली में आयोजित डिजिटल मार्केटिंग व एफ0 पी0 ओ0 प्रबन्धन पर हुई कार्यशाला में उमंग कार्यकर्ता द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

ताना–बाना कार्यक्रम में सदृढ़ता लाने के प्रयास के चलते उमंग कार्यकर्ताओं द्वारा '**शटल्स एण्ड नीडिल्स कम्पनी, चैन्नई'** में जा कर नये उत्पाद बनाने हेतु प्रशिक्षण लिया गया जिसमें उन्होंने नये डिज़ाइन बनाना, कताई व धागों पर काम करने का तरीका सीखा।

मुख्य न्यायिक न्यायाधीश (chief judicial magistrate) श्रीमती शिवानी सिंह द्वारा उमंग कार्यालय में आकर महिलाओं को बाल अधिकार व महिलाओं के संपत्ति पर व अन्य अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया।

10 फरवरी 2023 को उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने यूकास्ट परिसर विज्ञान धाम (Science City)–झाझरा में तीन दिवसीय 17वीं उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस 2023 के तहत देश की पहली ग्रामीण विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन किया गया। जिसमें ग्रामीण संस्कृति, कृषि और विज्ञान, ग्रामीण पर्यटन और व्यंजन पर चर्चा की गयी। इस आयोजन में उमंग के कार्यकर्ताओं व समूह के सदस्यों द्वारा ग्रासरूट्स के सहयोग से प्रतिभाग किया गया।

हवाल बाग, अल्मोड़ा में आयोजित कृषि विज्ञान मेला में उमंग द्वारा अपने उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।

राष्ट्रीय कृषि भवन, दिल्ली में आयोजित मिलेट मेला में उमंग के काश्तकारों द्वारा भाग लिया गया जिससे उन्हें मोटा अनाज उगाने के लिए प्रोत्साहन मिला।

संक्षिप्त रूप से समीक्षा वर्ष के दौरान आजीविका कार्यक्रमों को उत्तराखण्ड के अल्मोड़ा, नैनीताल, बागेश्वर, ज़िले के **8** विकासखण्डों के लगभग **77** गाँवों व हिमाचल प्रदेश के सिरमौर ज़िले के **15** गाँवों में संचालित किया गया। समीक्षा वर्ष के अन्त तक संचित रूप से **103** अंशधारक स्वयं सहायता समूहों के **923** सदस्य कार्यरत हैं।

आदान प्रदान

सेवा इन्टरनेशनल संस्था ने ज्ञान के आदान प्रदान हेतु उमंग से संपर्क कर 15 लोगों का ग्रुप भ्रमण हेतु भेज कर उमंग की पूरी कार्य प्रणाली को समझा व अपने क्षेत्र में काम करने के लिए स्वयं को उत्साहित पाया।

महिला उमंग के कार्यकर्ताओं द्वारा कुलवी व्हिम्स संस्था, नग्गर गाँव, हिमांचल की 11 महिलाओं को व्यापार चलाने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन जैसे उत्पादों का प्रबंधन व बाजारीकरण आदि पर कार्यशाला दी गयी।

National Association of Farmer Producer Organisations (नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ फार्मर प्रोड्यूसर ऑरगनाइज़ेशन्स) द्वारा FPO की संरचना एवं व्यवहार्यता पर आयोजित ऑनलाइन कार्यशला में उमंग के कार्यकताओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विगत वर्षों की भांति इस बार भी उमंग ने फ़ेयर ट्रेड फ़ोरम–इंडिया (एफ0 टी0 एफ0–आई) की वार्षिक आम सभा, में प्रतिभाग किया। इस सभा में सभी सदस्य प्रोड्यूसर्स कम्पनियों की ई–कॉमर्स तथा महिला ई–हाट के द्वारा उनके उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने के प्रयास करने की बात की गयी।

महिला स्वयं सहायता समूह – उमंग उत्पादक संगठन

समीक्षा वर्ष के दौरान सभी स्वयं सहायता समूहों का मूल्यांकन कर उन्हें पुनः व्यवस्थित करने की प्रक्रिया की गयी। जिसके परिणाम स्वरुप संचित रुप से अब तक कुल **160** समूह क्रियाशील हैं इनमें कुल **2,521** (दो हज़ार पांच सौ इक्कीस) महिला सदस्य हैं। समीक्षा वर्ष के अन्त तक इन समूहों के कोष में ₹ **1,00,65,864** (एक करोड़ पैंसठ हजार आठ सौ चौंसठ) जमा है।

संचित रूप से देखने पर इन महिलाओं द्वारा इस समीक्षा वर्ष के दौरान ₹ 35,42,880 (पैंतीस लाख बयालीस हज़ार आठ सौ अस्सी) **अपने स्वयं सहायता बचत कोष में जमा किया गया जो प्रतिदिन ₹ 9,707** (नौ हज़ार सात सौ सात) **की बचत हुई।** जिस पर समूहों को ₹ **2,65,541** (दो लाख पैंसठ हज़ार पांच सौ इक्तालीस) ब्याज के रूप में बैंक से प्राप्त हुआ। इस वर्ष **288** महिला सदस्यों ने इस जमा राशि से कुल ₹ **62,99,864** (बासठ लाख निन्यानबे हज़ार आठ सौ चौंसठ) ऋण लिया, इस ऋण पर समूहों ने कुल ₹ **4,38,442** (चार लाख अड़तीस हज़ार चार सौ बयालीस) ब्याज के रूप में अर्जित किया। समूह की महिलाओं ने इस ऋण का उपयोग अपने आवश्यक कार्यों की पूर्ति के लिए किया। सभी महिलाओं ने समय पर ऋण वापस किया। इन महिलाओं की नियमित रुप से पैसा जमा करने की अच्छी आदत बन गयी है।

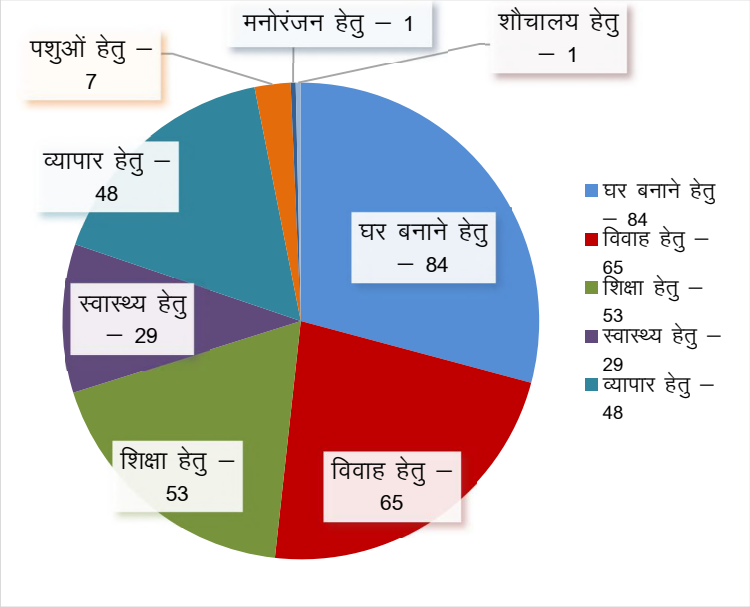

बचत एवं ऋण के साथ–साथ **समीक्षा वर्ष 2022–23** में उत्तराखण्ड के **95 (59%)** स्वयं सहायता समूहों के **690 (27%)** सदस्य उमंग के आयवर्धन कार्यक्रमों में सहभागिता निभा रहे हैं।

वर्ष 2022–23 में आर्थिक सहायता हेतु 11 समूहों की 220 महिलाओं द्वारा अपने समूहों के खाते से बचत राशि ₹ **13,66,600** (तेरह लाख छियासठ हज़ार छः सौ) आपस में निजी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु वितरित की गयी।

समूह की महिलाओं के द्वारा उपरोक्त सभी आजीविका कार्यक्रमों के अतिरिक्त कई पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के कार्यक्रमों में भी अपना योगदान दिया गया जिसके अंतर्गत मुख्य रुप से स्थानीय पेड़ों के रखरखाव व थावले बनाने का काम जारी रखा गया। इसके अलावा खाल चाल की मरम्मत, जंगल को आग से बचाने के प्रयास भी जारी रहे।

उमंग आजीविका कार्यक्रम : एक झलक

उमंग में प्रमुखतः पांच व्यावसायिक इकाईयां / आजीविका कार्यक्रम हैं –

क्र. स.	कार्यक्रम का नाम	कुल लाभान्वित सदस्य	कुल उत्पादन		सदस्यों की उत्पादन से आय ₹	प्रति सदस्य औसत आय ₹	पिछले वर्ष की तुलना में
			मात्रा	मूल्य ₹			
1	बुनाई	469	10,517 पीस	57,82,444	26,09,757	5,541	29% ↑
2	ताना बाना	7	777 पीस	3,82,081	1,44,910	20,701	15% ↑
3	फल संरक्षण	149	10,174 कि0	35,83,035	5,48,530	3,681	47% ↑
4	हिमखाद्य	387	16,596 कि0	36,74,974	22,04,636	5,697	5% ↑
5	शहद	3	3,252 कि0	7,48,690	6,76,892	3,38,446	35% ↑
	कुल			**1,41,71,224**	**61,84,725**		**23% ↑**

उमंग के द्वारा वर्ष 2022–23 के दौरान कुल 849 सदस्यों ने उपरोक्त आजीविका कार्यक्रमों में व 19 प्रतिशत प्रतिभागी (162) सदस्यों ने एक से अधिक कार्यक्रमों में अपना योगदान दिया है।

उमंग विक्रय विवरण

क्रम संख्या	कार्यक्रम	ग्रॉस बिक्री ₹	नैट बिक्री ₹	बिक्री में प्रति ईकाई योगदान%	पिछले वर्ष की तुलना में
1	बुनाई एवं ताना बाना	84,30,921	75,61,916	52	22% ↑
2	फल संरक्षण	37,17,394	29,58,864	22	29% ↑
3	हिमखाद्य	33,93,970	30,75,907	21	10% ↑
4	शहद	12,04,826	10,00,654	7	0% ↑
	कुल	**1,67,47,111**	**1,45,97,341**	**100**	**19% ↑**

इस वर्ष उमंग ने निम्नलिखित 7 स्रोतों के माध्यम से अपने उत्पादों की कुल बिक्री ₹1,43,75,251 (एक करोड़ तैंतालीस लाख पचहत्तर हज़ार दौ सौ इक्यावन) की। वित्तीय वर्ष में ₹ 6,77,987 (छः लाख सत्हत्तर हज़ार नौ सौ सत्तासी) बिक्री कर के रूप में जमा किया।

क्रम सं.	विक्रय स्रोत	ग्रॉस बिक्री ₹	नैट बिक्री ₹	नैट बिक्री %
1	हाउस ऑफ उमंग, नैनी	47,71,143	40,65,682	28
2	हाउस ऑफ उमंग, हिमाचल	5,55,839	5,55,839	4
3	फैब इंडिया	26,32,995	26,32,995	18
4	प्रदर्शनियां	12,491	12,491	0.1
5	जयपोर ऑनलाइन वेब पोर्टल	2,88,780	2,,02,146	1.4
6	ई–कामर्स द्वारा ऑनलाइन सेल	7,60,105	6,51,068	4.5
7	अन्य रिटेल के माध्यम	77,25,758	64,77,120	44
	कुल	**1,67,47,111**	**1,45,97,341**	**100**

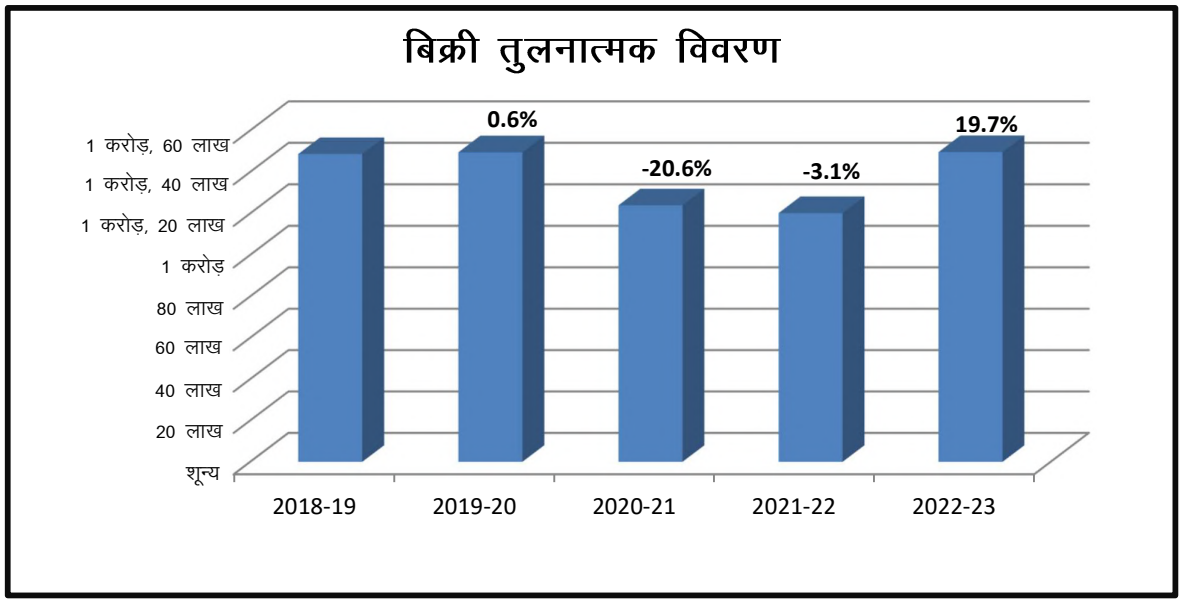

1. बुनाई कार्यक्रम :

बुनाई कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त **59** महिला स्वयं सहायता समूहों की **469** महिलाओं ने हाथ के बुने उत्पादों का उपादन कर आजीविका के रूप में **₹ 24,39,685 (चौबीस लाख उन्तालीस हज़ार छः सौ पचासी)** आय अर्जित की। उत्पाद की गुणवत्ता परखने के लिए समूह का नेतृत्व करने वाली महिलाओं ने अपने समूहों के उत्पादन के आधार पर **₹ 1,70,072 (एक लाख सत्तर हज़ार बहत्तर)** की अतिरिक्त आय अर्जित की। इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं में आर्थिक स्वावलम्बिता का विकास हुआ है, जिससे उनमें आत्मनिर्भता आई है। संचित रूप से नैट बिक्री का **36 प्रतिशत** बुनाई करने वाली महिलाओं ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

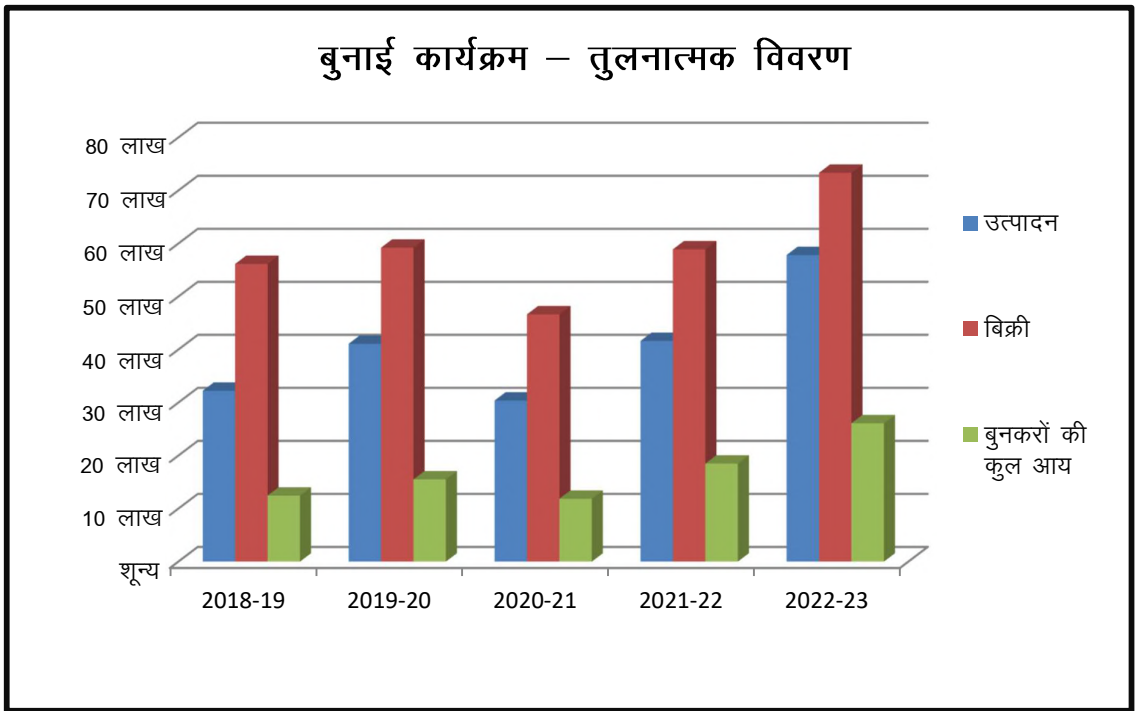

माउंटेन हाई कम्पनी वर्ष 2016 से उमंग के उत्पादों के विस्तार के लिए काम कर रही है समीक्षा वर्ष के दौरान माउंटेन हाई द्वारा **8** देशों में कुल **₹ 90,162** (नब्बे हजार एक सौ बासठ) के उत्पाद बेचने में मदद की गयी।

ताना बाना

वर्ष 2017–18 के दौरान बुनकरों को आजिविका के नये अवसर प्रदान करने के लिए ताना–बाना की शुरूआत की गयी थी। इसके अंतर्गत वर्ष 2022–23 में **7** बुनकरों द्वारा कुल **777** पीस बुने गये जिनका उत्पादन मूल्य **₹ 3,82,081 (तीन लाख बयासी हज़ार इक्यासी)** रहा। जिससे इन बुनकरों ने **₹ 1,44,910 (एक लाख चौवालीस हज़ार नौ सौ दस)** की आय अर्जित की।

बुनाई कार्यक्रम – प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल सदस्य	कुल समूह	कुल उत्पादन (पीस)	उत्पाद से आय ₹	लीडर आय ₹	कुल आय ₹
1	गगास अन्य	4	74	6	2,254	7,06,650	38,893	7,45,543
2	कुजगढ़	7	125	9	3,421	6,43,590	44,912	6,88,502
3	दुसाद	6	100	16	864	3,29,360	29,552	3,58,912
4	सोमेश्वर	6	55	6	631	2,48,485	21,288	2,69,773
5	पनाई	2	34	7	1,859	2,44,405	15,916	2,60,321
6	कोसी	3	43	4	923	1,58,775	11,668	1,70,443
7	कनाड़ी	6	25	7	296	72,245	5,642	77,887
8	माल्यागाड़	1	12	4	255	30,650	2,201	32,851
9	रिसकन	1	1	0	14	5,525	0000	5,525
	कुल	**36**	**469**	**59**	**10,517**	**24,39,685**	**1,70,072**	**26,09,757**

बुनाई उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर

विवरण	श्रेणी	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
शहरी क्षेत्र	प्रथम	निरंतर समूह (रायस्टेट)	गगास अन्य	2,24,710	20	11,236
	द्वितीय	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	1,72,525	16	10,783
	तृतीय	जीवन ज्योति समूह (ताड़ीखेत)	गगास अन्य	1,61,530	16	10,096
ग्रामीण क्षेत्र	प्रथम	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	1,24,990	22	5,681
	द्वितीय	कल्पना समूह (देवीढुंगा)	कुजगढ़	1,00,380	20	5,019
	तृतीय	जय मां झूला देवी समूह (पिलखोली)	कुजगढ़	94,260	19	4,961

प्रथम दस श्रेष्ठ बुनाई उत्पादक सदस्य– शहरी क्षेत्र						
क्रम	महिला का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	गधेरे का नाम	कुल मात्रा पीस	उत्पाद से आय ₹
प्रथम	अन्जना कुमारी	415	हरियाली समूह (कालिका)	पनाई	265	38,805
द्वितीय	माया खर्कवाल	77	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	67	29,210
तृतीय	आशा थापा	48	सुमंगल समूह (नैनीपुल)	कोसी	205	27,660
चतुर्थ	शोभा नयाल	2297	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	46	20,225
पंचम्	सरिता रावत	488	उत्साह समूह (कौसानी)	सोमेश्वर	39	18,275
प्रथम दस श्रेष्ठ बुनाई उत्पादक सदस्य– ग्रामीण क्षेत्र						
प्रथम	गीता देवी	298	कल्पना समूह (देवीढुंगा)	कुजगढ	170	27,345
द्वितीय	सरिता बिष्ट	2331	उत्साह समूह (उप्राड़ी)	कुजगढ़	91	20,330
तृतीय	हेमा पन्त	2326	जय मां झूला देवी समूह (पिलखोली)	कुजगढ़	113	18,015
चतुर्थ	लता पन्त	2325	जय मां झूला देवी समूह (पिलखोली)	कुजगढ़	50	14,080
पंचम्	बबिता अधिकारी	–	रोशन समूह (नैनी)	पनाई	88	13,775

समीक्षा वर्ष **2022–23** में बुनाई कार्यक्रम में भाग लेने वाली **471** महिलाओं में विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी बुनकर सदस्याओं को समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

2. संरक्षित खाद्य कार्यक्रम :

कुमाँऊ क्षेत्र के आर्थिक विकास का आधार कृषि एवं बाग़वानी है, इसे मद्देनजर रखते हुये एक उचित उद्यम की स्थापना कर स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से काश्तकारों को उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान करने हेतु उमंग ने संरक्षित खाद्य कार्यक्रम की स्थापना की। इस कार्यक्रम को चलाने हेतु उमंग को भारत सरकार द्वारा नियंत्रित **एफ0 एस0 एस0 ए0** (फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड ऑथोरिटी) का लायसेन्स भी प्राप्त है। उमंग कुमाँऊनी ब्रांड के नाम से बाजार में निम्नलिखित उत्पादों के विक्रय से काश्तकारों की आर्थिक स्थिति को सदृढ़ बनाने में कार्यरत है।

फल संरक्षण कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त स्वयं सहायता समूहों का गठन कर **24** महिला स्वयं सहायता समूहों के **149** किसान परिवारों से **₹ 5,48,530 (पांच लाख अड़तालीस हज़ार पांच सौ तीस)** के उत्पादों का क्रय कर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले उत्पादकों को उचित मूल्य प्रदान किया गया। संचित रूप से नैट बिक्री का **19** प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

समीक्षा वर्ष के दौरान फल संरक्षण कार्यक्रम को और अधिक सदृढ़ बनाने के लिए **''ग्राम से''** कम्पनी द्वारा उमंग की सहायता की गयी।

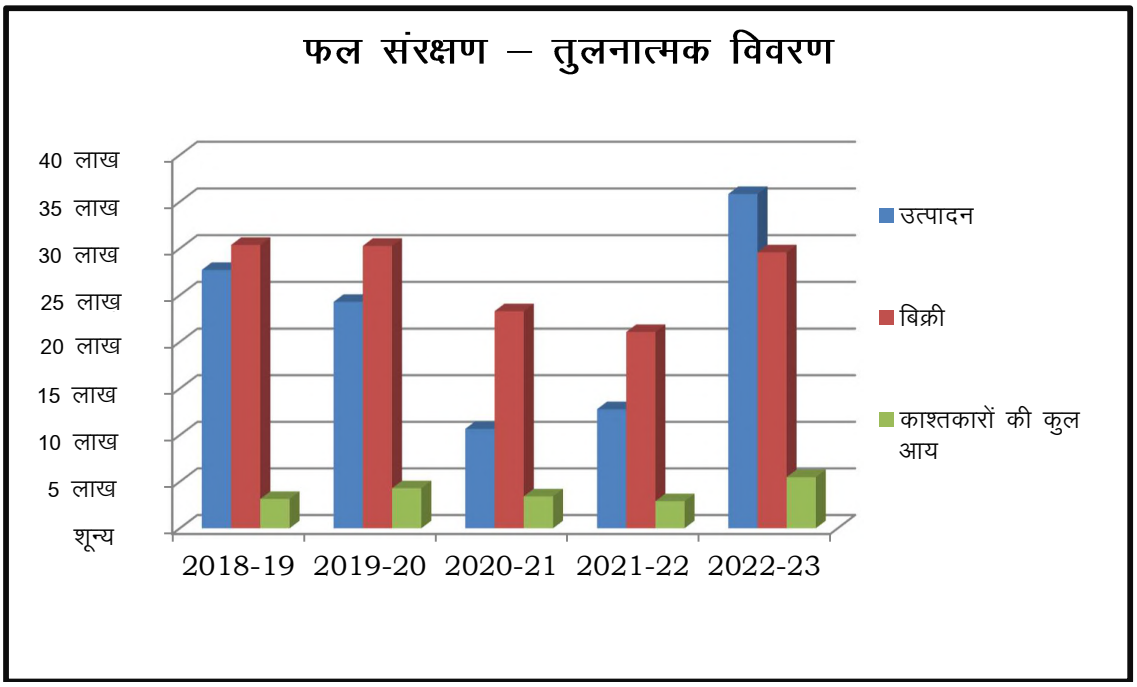

फल संरक्षण कार्यक्रम का प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका							
क्रम संख्या	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंश धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹
1	हैडवाटर्स	4	6	41	31	3,947.75	3,01,314
2	कोसी	6	4	34	33	2,213	66,015
3	पनाई	4	8	39	20	1,416.20	47,967
4	अन्य	6	–	9	–	740.30	36,990
5	माल्यागाड़	2	2	2	2	439	12,110
6	कुजगढ़	2	1	2	2	191	5,525
7	गगास अन्य	1	3	7	4	178.5	5,249
कुल (उत्तराखण्ड)		**25**	**24**	**134**	**92**	**9,126**	**4,75,170**
8	हिमाचल	2	–	15	1	1,048	73,360
कुल		**27**	**24**	**149**	**93**	**10,174**	**5,48,530**

फल संरक्षण उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर					
क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	सिद्धि विनायक (रतखाल)	हैडवाटर्स	98,940	9	10,993
द्वितीय	लक्ष्मी समूह (नायल)	हैडवाटर्स	93,750	12	7,813
तृतीय	दुर्गा समूह (दुधोली)	हैडवाटर्स	67,720	9	7,524

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ फल उत्पादक सदस्य						
क्रम सं.	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	सदस्यता कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	कुल आय ₹
1	हैडवाटर्स	कमला देवी	295	सिद्धि विनायक समूह (रतखाल)	270	27,000
2	माल्यागाड़	देवकी देवी	66	उज्जवल समूह (लिल्लाड़ी)	437	12,060
3	पनाई	लक्ष्मी देवी	2345	जय मां काली समूह (कालिका)	237	6,855
4	कोसी	नन्दी देवी	2631	ज्योति समूह (कूल)	162	6,480
5	कुजगढ़	जानकी बेलवाल	2764	(भड़गाँव)	141	3,525
6	गगास अन्य	पुष्पा अधिकारी	536	वन्दना (मजखाली)	101	2,145

समीक्षा वर्ष **2022–23** में फल उत्पादन कार्यक्रम में भाग लेने वाले **149** सदस्यों में से विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

फल उत्पादों का उमंग में प्रतिशत योगदान				
क्रम	उत्पाद का नाम	उत्पाद (कि0ग्रा0)	मूल्य ₹	प्रतिशत योगदान मात्रा के आधार पर
1	लहसुन	2,128	2,13,503	21%
2	खुमानी	1,965	87,323	19%
3	प्लम्	1,571	39,262	15%
4	स्ट्रॉबैरी	1,048	73,360	10%
6	आम	677	24,520	7%
7	कीवी	633	57,570	6%
8	माल्टा	553	10,926	5%
9	काग़ज़ी नींबू	443	18,464	4%
10	बड़ा नींबू	275	2,750	3%
11	अमरुद	223	5,575	2%
12	नासपाती	196	1,076	2%
13	हरी मिर्च	167	5,007	2%
14	सेब	157	4,710	2%
15	टमाटर	110	2,750	1%
16	अदरख	29	1,734	0.3%

3. हिमखाद्य कार्यक्रम :

अधिक से अधिक काश्तकारों को आजीविका एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उमंग द्वारा अतिरिक्त फसलों के क्रय–विक्रय के कार्यक्रम को प्रोत्साहन दिया गया। हमारा मुख्य उद्देश्य जहां एक ओर वर्षा आधारित लुप्त हो रही पारम्परिक फसलों को बढ़ाना है वहीं दूसरी ओर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उचित मूल्यों पर बाज़ार में जैविक खाद्य सामग्री को उपलब्ध कराना भी है। इन उत्पादों को उमंग हिमखाद्य के नाम से बेचता है।

समीक्षा वर्ष के दौरान **62** स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से **387** किसानों ने अपने विभिन्न उत्पादों को विक्रय कर, **₹ 22,04,637 (बाईस लाख चार हज़ार छः सौ सैंतीस)** की आय अर्जित की। संचित रूप से नैट बिक्री का **72** प्रतिशत रूपया काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

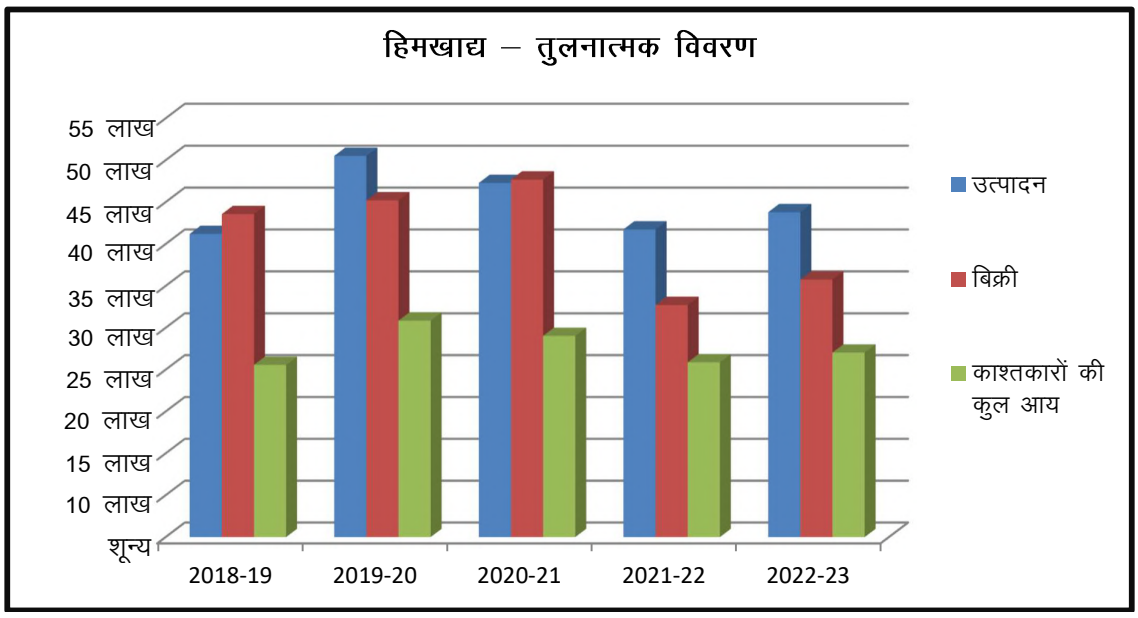

उत्तराखण्ड के हिमखाद्य उत्पादक श्रेष्ठ समूह, प्रति सदस्य आय के आधार पर					
क्रम	समूह का नाम	गधेरे का नाम	उत्पाद से आय ₹	कुल प्रतिभागी	प्रति सदस्य औसत आय ₹
प्रथम	जय भूमिया समूह (मल्ला सती नौगाँव)	दुसाद	90,760	10	9,076
द्वितीय	बधाड़ देवता समूह (फड़ीका)	कोसी	57,412	7	8,202
तृतीय	देवस्थल समूह (खलाड़)	कोसी	81,384	11	7,399

हिमखाद्य कार्यक्रम – प्रति गधेरा संचित विवरण तालिका							
क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल समूह	कुल सदस्य	कुल उमंग अंश धारक	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.	उत्पाद से आय ₹
1	दुसाद	10	22	157	116	5,186	5,56,997
2	कोसी	6	5	50	45	2,818	2,78,945
3	अन्य	7	1	13	1	229	56,800
4	माल्यागाड़	6	10	47	38	655	43,489
5	हैडवाटर्स	4	6	20	19	459	37,854
6	कनाड़ी	7	8	35	19	484	37,717
7	रिसकन	1	1	13	11	654	34,340
8	पनाई	3	6	14	7	133	6,095
9	खिरो	1	1	4	–	108	5,870
10	गगास अन्य	1	–	1	–	14	840
कुल (उत्तराखण्ड)		**46**	**60**	**354**	**256**	**10,740**	**10,58,947**
11	हिमाचल	15	3	33	6	5,856	11,45,690
कुल		**61**	**63**	**387**	**262**	**16,596**	**22,04,637**

प्रति गधेरा – श्रेष्ठ हिमखाद्य उत्पादक सदस्य – उत्तराखण्ड से						
क्रम	गधेरे का नाम	सदस्य का नाम	कोड	समूह का नाम	कुल उत्पादन (कि.ग्रा.)	उत्पाद से आय ₹
1	कोसी	अनीता देवी	56	सुमंगल समूह (नैनीपुल)	251	33,885
2	दुसाद	धना देवी	1514	जय भूमिया समूह (मल्ला सती नौगाँव)	157	19,274
3	रिसकन	भगवती रौतेला	2620	ज्ञानद्वीप समूह (तिपोला)	261	10,960
4	कनाड़ी	भावना बुधोड़ी	984	महिला उत्थान (टनोला)	112	7,353
5	हैडवाटर्स	तुलसी राणा	2350	जय लक्ष्मी समूह (नायल)	52	7,200
6	माल्यागाड़	आशा देवी	510	जय कृष्णा समूह (मुझोली)	9	4,921
7	पनाई	भगवती देवी	–	काफल समूह (जाना)	12	1,109
8	हिमाचल	मीरा कमल	3061	चुड़ेश्वर समूह (हिंडगा)	240	46,800

समीक्षा वर्ष **2022–23** में हिमखाद्य उत्पादन कार्यक्रम में भाग लेने वाले **387** सदस्यों में से विशेष स्थान प्राप्त करने वाली सभी उत्पादक सदस्याओं को समस्त उमंग परिवार बधाई देता है।

हिमखाद्य उत्पादों का उमंग में प्रतिशत योगदान				
क्रम	उत्पाद का नाम	उत्पाद (कि0ग्रा0)	मूल्य ₹	प्रतिशत योगदान मात्रा के आधार पर
1	अखरोट	5,661	10,99,265	34%
2	काला भट्ट	2,319	1,41,851	14%
3	चौलाई	1,245	74,697	8%
4	मडुवा	1,213	28,068	7%
5	सोयाबीन	1,087	56,542	7%
6	राजमा	806	1,28,302	5%
7	लाल मिर्च	549	94,532	3%
8	तिल	466	64,036	3%
9	कैमोमाइल	446	2,63,213	3%
10	झिंगोरा	433	10,021	3%
11	गहत	423	57,082	3%
12	मूंग दाल	404	33,154	2%
13	हल्दी	353	31,324	2%
14	सरसों	336	25,900	2%
15	धान	143	2,148	1%
16	राई	139	10,419	1%
17	मक्का आटा	115	4,025	1%
18	जौ	98	1,884	1%
19	धनिया	90	17,970	1%

समीक्षा वर्ष के दौरान पारम्परिक फसलों के साथ–साथ बाज़ारी व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए नगदी फसलों की बढ़ोतरी के प्रयास के चलते कैमोमाइल का उत्पादन जारी रहा, जिसका विवरण निम्न प्रकार है :

क्रम	वर्ष	गाँव	काश्तकार	उत्पादन (किग्रा0)	आय ₹	बिक्री ₹
1	2018–19	19	150	395	1,77,749	3,43,033
2	2019–20	13	118	461	2,07,487	3,60,655
3	2020–21	11	113	145	65,246	3,88,974
4	2021–22	7	38	35	17,250	4,33,855
5	2022–23	14	133	446	2,63,213	7,39,290

विभिन्न राज्यों में उमंग उत्पादों की उपलब्धता

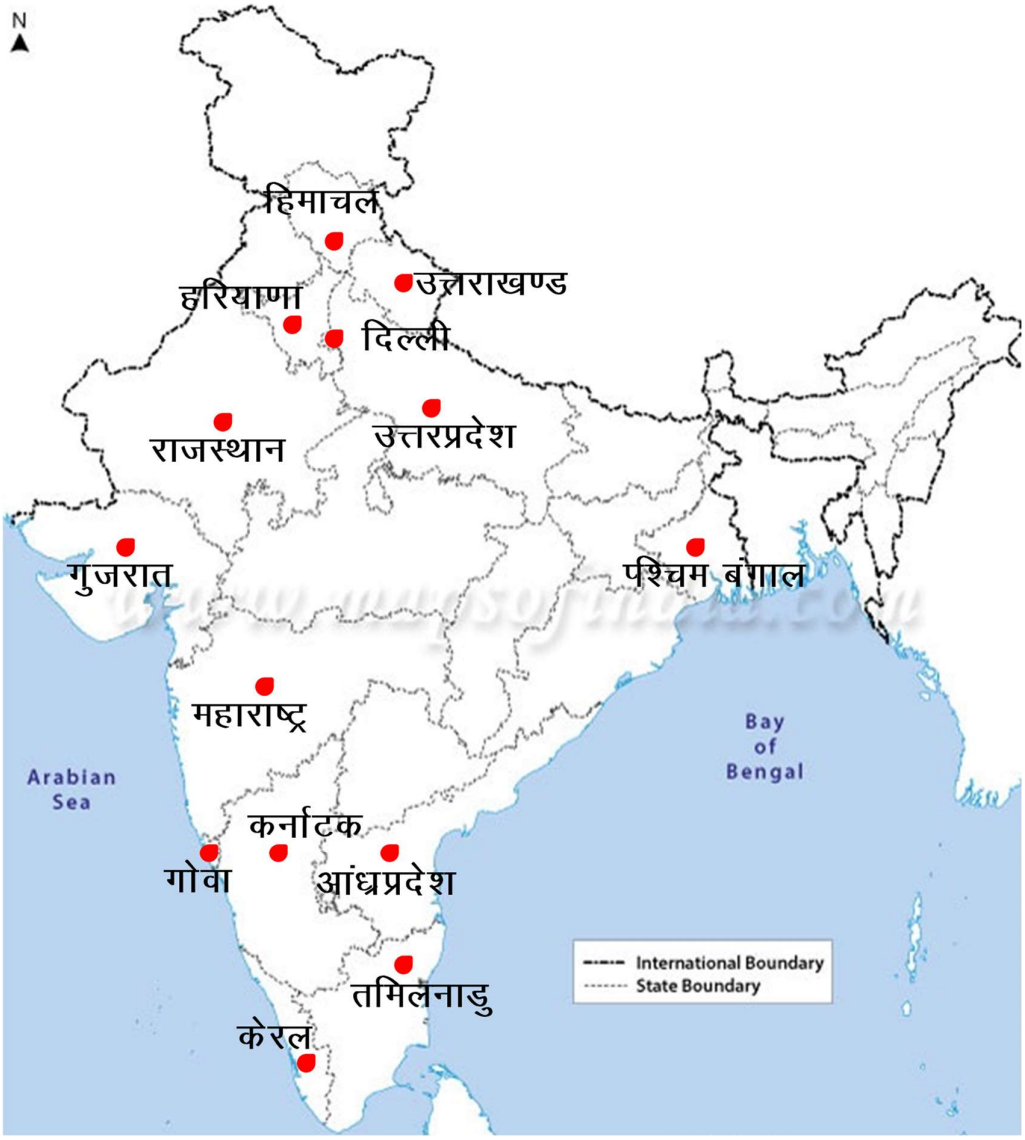

कुल यौगिक कार्यक्रम : प्रतिभागी विवरण तालिका													
क्रम	गधेरे का नाम	कुल गाँव	कुल प्रतिभागी	एस.एच.जी.		कुल उमंग अंश धारक		उमंग उत्पादक					एक से अधिक कार्यक्रम में जुड़े सदस्य
				प्रतिभागी एस.एच.जी.	प्रतिभागी एस.एच.जी सदस्य	अंश धारक एस.एच.जी.	अंश धारक सदस्य	हिमखाद्य उत्पादक	फल उत्पादक	बुनकर	ताना बाना	मौन पालक	
1	दुसाद	10	180	22	167	19	138	157	—	100	—	—	76
2	गगास अन्य	5	83	7	79	7	76	2	7	75	—	—	1
3	हैडवाटर्स	5	48	8	46	7	38	20	41	—	—	—	13
4	कनाड़ी	9	49	10	45	9	33	35	—	25	—	—	11
5	खिरो	1	4	1	3	—	—	4	—	—	—	—	—
6	कोसी	9	100	8	91	7	92	50	34	43	—	—	27
7	कुजगढ़	7	127	9	126	9	123	—	2	125	—	—	—
8	माल्यागाड़	7	52	11	44	8	43	47	2	12	—	—	8
9	अन्य	13	24	1	1	—	1	13	9	—	—	3	1
10	पनाई	4	67	9	58	7	40	14	39	34	7	—	25
11	रिसकन	1	12	1	11	1	10	12	—	—	—	—	—
12	सोमेश्वर	6	55	8	55	6	49	—	—	55	—	—	—
कुल (उत्तराखण्ड)		**77**	**801**	**95**	**726**	**80**	**643**	**354**	**134**	**469**	**7**	**3**	**162**
12	हिमाचल	15	48	3	4	3	6	33	15	—	—	—	—
कुल		**92**	**849**	**98**	**730**	**83**	**649**	**387**	**149**	**469**	**7**	**3**	**162**

कुल यौगिक कार्यक्रम : कुल आय विवरण तालिका

क्रम	गधेरे का नाम	हिमखाद्य उत्पादकों की आय	फल उत्पादकों की आय	बुनकरों की आय	बुनकर लीडरों की आय	मौन पालकों की आय	ताना बाना आय	कुल यौगिक आय
1	हिमाचल	1145690	73360	–	–	–	–	**12,19,050**
2	दुसाद	5,56,997	–	3,29,360	29,552	–	–	**9,15,909**
3	अन्य	56,800	36,990	–	–	6,76,892	–	**7,70,682**
4	गगास अन्य	1,095	5,249	7,12,175	38,893	–	–	**7,57,412**
5	कुजगढ़	–	5,525	6,43,590	44,912	–	–	**6,94,027**
6	कोसी	2,78,945	66,015	1,58,775	11,668	–	–	**5,15,403**
7	पनाई	6,095	47,967	2,44,405	15,916	–	144910	**4,59,293**
8	हैडवाटर्स	37,854	3,01,314	–	–	–	–	**3,39,168**
9	सोमेश्वर	–	–	2,48,485	21,288	–	–	**2,69,773**
10	कनाड़ी	37,717	–	72,245	5,642	–	–	**1,15,604**
11	माल्यागाड़	43,489	12,110	30,650	2,201	–	–	**88,450**
12	रिसकन	34,085	–	–	–	–	–	**34,085**
13	खिरो	5,870	–	–	–	–	–	**5,870**
कुल अर्जित राशि		**22,04,636**	**5,48,530**	**24,39,685**	**1,70,072**	**6,76,892**	**1,44,910**	**61,84,725**

यौगिक आंकलन से पता चलता है कि समीक्षा वर्ष के दौरान संचित रूप से नैट बिक्री का 43 प्रतिशत रुपया सीधे तौर पर उमंग से जुड़े काश्तकारों ने आय के रूप में प्राप्त किया है।

हमारा चौदह वर्षों का सांझा सफर – आजीविका विवरण (रूपया) :												
क्रम	वर्ष	हिमखाद्य उत्पादकों की आय	फल उत्पादकों की आय	मौन पालकों की आय	बुनकरों की आय	ताना बाना आय	एस0 एच0 जी0 अन्य आय	घरेलू पर्यटन से आय	दैनिक मजदूरी से आय	कुल यौगिक आय	सहभागी सदस्य	प्रति व्यक्ति औसत आय
1	**2009-10**	12,25,382	2,16,924	5,36,230	12,02,120	-		1,31,600	2,39,711	35,51,967	1,068	3,326
2	**2010-11**	4,04,000	3,65,000	9,49,000	11,09,000	-		2,41,000	2,88,000	33,56,000	1,047	3,205
3	**2011-12**	13,90,212	4,03,072	2,76,781	16,00,000	-		1,74,700	3,54,663	41,99,428	1,206	3,482
4	**2012-13**	20,53,633	3,17,489	2,79,436	20,65,183	-		2,10,000	3,30,888	52,56,629	1,327	3,961
5	**2013-14**	19,45,163	3,28,777	3,48,217	21,48,078	-		1,00,000	3,46,394	52,16,629	1,339	3,896
6	**2014-15**	25,02,163	4,79,816	5,11,629	19,19,061	-		2,12,700	4,47,800	60,73,169	1,419	4,280
7	**2015-16**	48,25,247	6,00,087	8,57,380	20,98,590	-		3,34,500	4,97,330	92,13,134	1,284	7,175
8	**2016-17**	29,66,520	5,14,241	7,30,275	19,91,757	-		2,50,000	4,29,650	68,82,443	1,050	6,555
9	**2017-18**	32,27,680	4,56,161	5,08,577	20,79,635	-		2,50,000	5,02,399	70,24,452	1,169	6,009
10	**2018-19**	21,49,332	3,88,110	6,77,196	13,79,407	55,554		2,50,000	3,49,956	52,49,555	878	5,979
11	**2019-20**	26,79,439	4,99,211	7,34,540	16,87,310	1,02,815		1,25,000	3,48,530	61,76,845	862	7,166
12	**2020-21**	24,04,013	3,42,483	1,32,145	11,85,682	69,285		-	3,10,166	44,43,775	830	5,354
13	**2021-22**	20,88,054	2,90,736	4,42,350	18,48,244	1,23,320	38,000	-	2,85,459	51,16,163	703	7,278
14	**2022-23**	22,04,636	5,48,530	6,76,892	26,09,757	1,44,910	44,670	55,000	5,43,081	68,27,476	849	8,042
कुल राशि		**3,20,65,473**	**57,50,637**	**76,60,648**	**2,49,23,824**	**4,95,884**	**82,670**	**23,34,500**	**52,74,027**	**7,85,87,666**		

सफलता की ओर एक कदम....

मेरा नाम गीता मेहता है। मेरे पति के देहान्त के बाद मैं अपने बेटे के साथ मायके आ गयी। यहां मैंने स्वयं सहायता समूह से जुड़ कर, ग्रासरूट्स संस्था के सहयोग से अपना सिलाई सेन्टर स्थापित किया जिसमें मैंने अन्य 10 महिलाओं को भी आजीविका अर्जित करने के लिए रोजगार दिया। आज मेरा घर बन चुका है और मेरा बेटा उच्च शिक्षा प्राप्त कर सॉफटवेयर इंजीनियर बन गया है। मैं वर्तमान में अपने समूह की कोषाध्यक्ष व उमंग कम्पनी में अध्यक्षा हूं।

सारांश

उमंग के उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का संचालन स्थानीय **15** निपुण कार्यकर्ताओं द्वारा निदेशक मण्डल के मार्गदर्शन में किया गया इसके लिए उनके द्वारा **₹ 23,27,200 (तेईस लाख सताईस हज़ार दो सौ)** की आय अर्जित की गयी जो कि संस्था के कुल व्यवसाय का **14** प्रतिशत है। फल संरक्षण एवं हिमखाद्य के उत्पादों के उत्पादन के लिए स्थानीय बेरोजगार महिलाओं की एक टीम को **2,172 (दो हज़ार एक सौ बहत्तर)** मानवदिवस का रोजगार प्राप्त हुआ जिससे उन्होंने **₹ 5,43,081 (पांच लाख तैंतालीस हज़ार इक्यासी)** की आय अर्जित की।

संक्षिप्त रूप में समीक्षा वर्ष के दौरान उद्यमता के विकास में उमंग एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाने में सक्षम रही एवं परिणाम स्वरूप क्षेत्र के 849 परिवारों ने ₹ 91,54,676 (इक्यानबे लाख चौवन हज़ार छः सौ छिहत्तर) की निरन्तर पूरक आय अर्जित कर (प्रति सदस्य ₹ 10,783) कुमाँऊ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में अपना योगदान दिया।

आभार

महिला उमंग प्रोड्यूसर कम्पनी की वार्षिक पत्रिका का समापन करते हुये हम अपने सभी ग्राहकों, मित्रों एवं शुभचिन्तकों, वित्तीय संस्थाओं, सरकारी एवं संस्थागत सहयोगियों, फल एवं खाद्य संरक्षण अधिकारियों, हमारे द्वारा उत्पादित सामान के सभी विक्रेता, समस्त उत्पादक महिलाओं एवं काश्तकारों का आभार प्रकट करते हैं।

निदेशक मण्डल

श्रीमती इन्द्रा रावत
मालरोड, रानीखेत
कार्यकारी निदेशिका

श्रीमती गीता मेहता
मजखाली, रानीखेत
अध्यक्ष

श्रीमती मंजू देवी,
मुझोली, माल्यागाड़

श्रीमती उमा देवी
बगथल, माल्यागाड़

श्रीमती इन्द्रा कबडवाल
उभ्याड़ी, दुसाद

श्रीमती नीमा बिष्ट
डौड़ाखाल, कनाड़ी

श्रीमती ईश्वरी रावत
सुरना,हैडवाटर्स

श्रीमती गीता देवी
देवीढुंगा, कुजगढ़

उमंग गीत

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

यह उमंग है आप सभी का मिलकर इसे संवारेंगे,

हक़ अपना मिल सके सभी को इसके लिए विचारेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जंगल, पानी और लकड़ी का रिश्ता बहुत पुराना है,

पेड़ों को कटने नहीं देंगे हमने मन में ठाना है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

जो बहनें हैं ग़म की मारी, बेबस हैं, मजबूर हैं,

उनके लिए उमंग का नाम अंधेरे में नूर है।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

आओ मिलकर अपने मन में यह विश्वास जगायेंगे,

एक दूजे का बनें सहारा मिलकर क़सम उठायेंगे।

तोड़–तोड़ कर बंधन सारे देखो बहनें आती हैं,

देखो बहनें आती हैं, ये नयी रोशनी लाती हैं।

बुलंद उत्तराखण्ड की बुलंद तस्वीर,

हमारा आज हमारा उमंग, हमारा कल हमारा उमंग,

हमारा उमंग, हमारा उमंग, हमारा उमंग।।